अखंड भारत संगम

स्थापित जन्माष्टमी 2020
(सम सीतोष्ण जलवायु के देशों का संयुक्त राज्य)
पंजीकृत कार्यालय बी–11, जी–3, आम्रपाली कान्हा सोसाइटी
राष्ट्रीय राजमार्ग 2, चौमुहाँ, मथुरा, भारत –281406

संसार चन्द संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष फोन – 91 –8800901448 Whatsapp No. 9311154194	Web: www.akhandbharatsangam.org Email: akhandbharatsangam101@gmail.com अखंड भारत संगम व्यवस्था परिवर्तन गठबन्धन के अन्तर्गत प्राकृतिक वाद को मानने वाली राजनैतिक पार्टी है।	अनुज कौशिक कोषाध्यक्ष Phone & Whatsapp No. 91–8287966427

न्यूनतम साझा कार्यक्रम

लक्ष्य: वैकल्पिक विकास के लिए नये विचारों को अपनाने वाली सामाजिक व्यवस्था, जिसमें जीवन्त लोकतन्त्र द्वारा सरकार बने, जो जनता के प्रति जवाब देह हो। वसुधैव कुटुम्बकम। भारत की प्राचीन सनातन सामाजिक व्यवस्था के वानप्रस्थ नागरिकों को समाज सेवा के कार्यों में सरकारी सहयोग करके वह कार्य किया जा सकता है।

Aim: For Alternative Development Open Society to make world citizen who will work to build vibrant and inclusive democracy whose governments are accountable to their people. Whole World is one family, One world, One Government, One Future.

श्रीकृष्ण ने गीता में अध्याय 4 श्लोक 13 में कहा – वर्ण (जाति) मैं गुण और कर्म (Profession व्यवसाय) के आधार पर बनाई है। जन्म के आधार पर नहीं बनाई। ज्ञान, तपस्या और आत्मज्ञान अखण्ड भारत की पहचान।

विदेशी ताकतों की बांटो और राज करो की नीति सबको मालूम हो गई है। षडयन्त्र द्वारा साम्प्रदायिक दंगे करावाकर हमारे नेताओं को यह घुट्टी (छोटे बच्चों को पिलाई जाने वाली दवाई) पिलाई गई, कि बंटवारा कर लो, तो शान्ति से रह सकोगे। परन्तु 75 वर्षों में पाक पड़ोसी से 4 युद्ध हो चुके और अब अगर अगला युद्ध हुआ तो विश्व युद्ध होगा, परिणाम सर्वनाश होगा।

अतः हमारे विचार से ''भय के बिना प्रेम नहीं पनपेगा''। श्रीराम ने रामायण में समुद्र से कहा –
विनय न मानत जलधि जड़, गये तीन दिन बीत।
बोले राम सकोप तब, ''भय बिन होई न प्रीत''।।

फिर श्रीराम ने समुद्र को ही पूरा सुखाने के लिए धनुष पर बाँण चढ़ाया, तो घबराकर समुद्र हाथ जोड़कर सामने आया और राम सेना को समुद्र पार करने में सहयोग किया। अतः प्रशान्त महासागर से अटलांटिक महासागर तक सम सीतोष्ण (Tropical) जलवायु के देशों का एक शक्तिशाली संगम बनाना है, उसी के भय से विश्व युद्ध की आशंका खत्म होकर शान्ति, समृद्धि और संतोष समाज में होगा। भारत की आबादी दुनिया की आबादी का 25 प्रतिशत है जबकि भारत के पास दुनिया की 2 प्रतिशत जमीन है। 8 प्रतिशत नौजवान लड़की–लड़के बेराजगार हैं। अतः सभी राज्य और केन्द्र सरकारें अपना लाखों करोड़ का उधार चुकायें, और देश तथा विदेशों में उत्पादक क्षेत्र में तथा सभी विदेशी बाजारों में नये माल बनवाकर भारतीय उत्पादों को बेचा जाए। इस तरह निवेश करके सबको रोजगार दें। जिन सरकारों पर कर्ज है वो अगर मुफ्त में कुछ दे तो उनसे इस्तीफा लिया जाए।

- पर्यावरण की रक्षा से ही जनता को सुरक्षा मिलेगी। खेत, जंगल, हरे–भरे पहाड़, साफ नदियां हर हाल में बचाये जाएंगे।
- आज की व्यवस्था है लालची डाक्टर (वैद्य, हकीम) दवा करे तजवीज।
  भरपूर कमाई करती रहे, सदा बिस्तर पर रहे मरीज।
- व्यवस्था परिवर्तन है भला डाक्टर (वैद्य, हकीम) दवा करे तजवीज, सभी बीमारियाँ जड़ से मिटें, स्वस्थ, खुश, संतुष्ट रहे मरीज।
- इसे समझने के लिए **web: www.vyavasthaparivartan.org** वेबसाईट पूरी पढ़िए और इसमें प्राकृतिक दर्शन (Natural Philosophy) पुस्तक में दिये गये ज्ञान के आधार पर सम्पत्ति के उत्तराधिकार की अधिकतम सीमा एक किलो सोना संविधान संशोधन करने हेतु व्यवस्था परिवर्तन को राज्य सरकार और केन्द्र सरकार में 2/3 बहुमत से जिताइये।
- नीलामी में टिकटें खरीदकर, सरकारें बनाई, बार बार,
  पर ''भ्रष्ट व्यवस्था'' से पीड़ित, जनता रही परेशान, लाचार।
- अब व्यवस्था परिवर्तन के सदस्य, वोट से तय करेंगे टिकट, यही ''मंत्र'' है। ''व्यवस्था परिवर्तन'' के जनता सशक्तिकरण का सार। बहुत हुई बेरोजगारी और महंगाई की मार, अबकी बार व्यवस्था परिवर्तन की सरकार।

- सरकारें तो बदली बार बार, व्यवस्था बदलो अबकी बार
  बहादुर शाह, नानाजी, लक्ष्मीबाई, सुभाष, अम्बेडकर, अशफाक उल्ला,
  भगत सिंह, लोहिया, जयप्रकाश, जनता को अंधियारे में देते प्रकाश।
  <u>बेराजगार से आजादी</u> <u>नारी की गरिमा को आजादी</u>
  <u>मंहगाई से आजादी</u> <u>तुष्टीकरण से आजादी</u>
  <u>भ्रष्टाचार से आजादी</u> <u>बहुसंख्यक वाद से आजादी</u>
- रोजगार दो, या फिर भत्ता दो, युवा जनों को सत्ता दो.
  अगर दे नहीं सकते रोजगार तो मासिक भत्ता दे सरकार।
- जितनी बड़े महंगाई, उतनी ही बढ़े सबकी कमाई, हर खेत को पानी, हर हाथ को काम, हर पेट को रोटी, हर फसल पर MSP बाकी समस्याओं का समाधान किसान आयोग तुरन्त करेगा।

कार्यक्रमः अगर जनता और ज्यादा अच्छी सरकार चाहती है तो उससे हमारी Web www- vyavasthaparivartan.org हिन्दी भाषा में ध्यान से पढ़ना और उसके अनुसार जागरूक होकर व्यवस्था परिवर्तन के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करना होगा। तथा अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके राज्य सरकारों और केन्द्र सरकार में 2/3 बहुमत से जीत हासिल करना होगा।

जो नागरिक चुनाव लड़ना चाहते हैं वह हमारी ऊपर लिखी गई वेबसाइट में व्यवस्था परिवर्तन गठबन्धन के संविधान की धारा 16 ध्यान से पढ़कर अपना टिकट सदस्यों के बहुमत से लें और निश्चित ही चुनाव जीतें।

सरकार में आने पर पहले 100 दिनों में मुद्देः–

1. जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता रहते हैं। अतः ग्रहमंत्री, वित्तमंत्री, और सभी बच्ची–बच्चों को 9 वर्ष तक संस्कार, शिक्षा और ज्ञान देने के लिए शिक्षा मंत्री महिलाएं होंगी।

2. नये आविष्कार, अनुसंधान और विकास (Invention, Research and Development) केन्द्रों को ''तपोवन'' के नाम से जाना जाएगा। देश के हर जिले में राज्य सरकारें निजी क्षेत्र द्वारा संचालित विश्व स्तरीय तपोवन यूनिवर्सिटी के लिए जमीनों की व्यवस्था करेंगी। जो घनी लोग इसके लिए धन देंगे उन्हें टैक्स में छूट मिलेगी। तपोवन परिसर में ही रहकर विश्वविद्यालयों में ही गरीब छात्र–छात्राओं को बैंक से शिक्षा लोन लेकर पढ़ाई करेंगी।

   <u>आयुर्वेद की पढ़ाई पर विशेष ध्यान होगा।</u> आयात–निर्यात पर विशेष ध्यान देकर आयात को कम करके निर्यात को बढ़ाया जाएगा। लाभ से पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा लिया गया विदेशी कर्ज और देशी कर्ज चुकाया जाएगा और रूपये की मूल्य वृद्धि करके 1 रूपया = 1 डालर के बराबर लाया जाएगा। यह स्थिति 1947 में थी।

3. प्राचीन भारत के देवी, देवता ऋषि, संत, कवि, रानी, राजा और अंग्रेजों से लड़ने वाले हिंसक क्रान्तिकारी बलिदानी, समता के लिए लड़ने वाले अहिंसक नेताओं के जिलों में यह तपोवन बनाऐ जाएंगें।

4. सम सीतोष्ण, (Tropical) ''जलवायु'' के देशों से मिलकर एक व्यापारिक कुटुम्ब (Traders Cartel) बनाया जाएगा। जो विश्व के अन्य देशों में आयात निर्यात करेगा।

5. विश्व युद्ध का खतरा बढ़ गया है। अतः विकेन्द्रीकरण जरूरी है। इसलिए जयपुर अलवर मार्ग विराट नगर (जहाँ पांडवों ने 1 वर्ष का अज्ञातवास किया था. के परिसर में **निजी क्षेत्र द्वारा** विश्वकर्मा तपोवन में **''कुटुम्ब बस्ती''** के निर्माण की शिक्षा देकर ऐसे आवास तथा कार्यालय बनाये जाएंगे **<u>जो सभी प्रकार की सुरक्षा दे सकें।</u>** फिर किष्किन्धा (हंपी) में रक्षा मंत्रालय, प्राचीन विजय नगर स्थान पर (Export Hub) रायगढ़ महाराष्ट्र में नौसेना का शिक्षा केन्द्र, महाराणा प्रताप के जन्म स्थल पर स्थल सैन्य शिक्षा, गुरु गोविन्द सिंह जी के जन्म स्थान पटना में वायु सेना शिक्षा, शनि मंदिर महाराष्ट्र के निकट (CBI, ED) आदि एजेन्सियां, उज्जैन के निकट विक्रमादित्यपुरम में न्याय मंत्रालय एवं सुप्रीम कोर्ट, ताप्ती नदी के किनारे (बुरहानपुर के पश्चिम में) जहाँ देवऋषि नारद ने तपस्या की थी, वहाँ मीडिया तपोवन, वैशाली बिहार में केन्द्रीय मुख्य चुनाव आयोग, बागपत उ०प्र० में किसान आयोग, जयपुर में वित्तमंत्रालय, और झांसी में गृह मंत्रालय होंगे।

   <u>अन्य मंत्रालयों को भी देश के अलग अलग हिस्सों में भेजा जाएगा।</u>

6. 200 रूपये नियमित (रोज) बचत करके हर महीने 6000 रूपये म्यूचुअल फंड में निवेश करें तो जो आपकी रकम बढ़ेगी तो. 15 वर्ष में आप करोड़ पति और 30 वर्ष में 46 करोड़ के मालिक बन जाओगे

   10 साल बाद आपको मिलेंगे 41,30,000 रूपये
   20 साल बाद आपको मिलेंगे 4,86,50,000 रूपये
   30 साल बाद आपको मिलेंगे 46,50,00,000 रूपये
   धीरे धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय। माली सीचें सौ घड़ा रितु आये फल होए।